॥ जय महावीर ॥

॥ जय गुरु नाना ॥ ॥ जय गुरु राम ॥

राम चमकते भानु समाना

कार्यसमिति बैठक

राष्ट्रीय संघ, महिला समिति एवं समता युवा संघ की कार्यकारिणी बैठकें 17 जनवरी, 2026 को मुंबई में प्रस्तावित हैं।

::: बैठक स्थल :::

तेरापंथ भवन, कांदिवली पूर्व, मुंबई

मीटिंग का समय

17 जनवरी 2026
कार्यसमिति बैठक

18 जनवरी 2026
सकल जैन समाज कार्यक्रम

श्री संघ
दोपहर– 02:30 बजे

महिला समिति
दोपहर – 02:30 बजे

समता युवा संघ
शाम – 07:30 बजे

DEVOTE FOR SANGH

निवेदक

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन महिला समिति श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन समता युवा संघ

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

राम चमकते भानु समाना

आमंत्रण पत्र

बैठक क्रमांक : 1/सत्र 2025–27 　　　　　　　　　　　　　　　　　　दिनांक : 27 दिसंबर 2025

कार्यसमिति बैठक

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ की सत्र 2025–27 की प्रथम कार्यसमिति बैठक श्रीसंघ के गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर पिता श्री नरेन्द्र जी गांधी के सभापतित्व में **दिनांक 17 जनवरी 2026, शनिवार दोपहर 2:30 बजे** से मुम्बई में आयोजित होनी प्रस्तावित है। जिसमें शीर्ष पदाधिकारी, पूर्व अध्यक्ष/महामंत्री, सभी अंचलों के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री, शिखर सदस्य, प्रवृत्ति संयोजक, कार्यसमिति सदस्य, संयोजन मण्डल सदस्य मुम्बई–गुजरात अंचल के महाप्रभावक सदस्य, आबद्ध संघ के अध्यक्ष/मंत्री, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं श्री संघ के अन्तर्गत संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारीयों की उपस्थिति सादर आमंत्रित है।

कार्यसूची

1. प्रवचन प्रातः (संभावित)
2. मंगलाचरण
3. सामूहिक संकल्प सूत्र वाचन
4. विगत दिनांक 23 सितम्बर 2025, देशनोक (राज.) में आयोजित कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि अंगीकृति व अनुमोदना।
5. नये आवेदकों को सदस्यता प्रदान करने की स्वीकृति। (साधारण, आजीवन, विहार सेवा, प्रभावक, महाप्रभावक, शिखर)
6. प्रगति रिपोर्ट (21 सितम्बर 2025 से 10 जनवरी 2026 तक)
7. निष्पादन बजट प्रस्तुति। (16 सितम्बर 2025 से 10 जनवरी 2026 तक)
8. वित्तीय वर्ष 2024–25 के अंकेक्षित तुलन पत्र (Audited Balance Sheet) की पुष्टि, अंगीकृति एवं अनुमोदना।
9. आंचलिक एवं प्रवृत्ति प्रतिवेदन डिजीटली प्रस्तुति। (10 जनवरी 2026 तक प्राप्त डाटा)
10. आगामी तीन माह के कार्य, लक्ष्य और उसे पूर्ण करने की योजना प्रस्तुतीकरण। (आंचलिक पदाधिकारी, प्रवृत्ति संयोजक व सह–संयोजक द्वारा या सुझाव)
11. अध्यक्षीय अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।
12. राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्‌बोधन।
13. चारित्रात्माओं के देवलोकगमन पर 4–4 लोगस्स का ध्यान।
14. आभार अभिव्यक्ति एवं संघ समर्पणा गीत के साथ समापन।
15. सायंकाल देवसी प्रतिक्रमण

–: विनीत :–

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

बैठक स्थल : तेरापंथ भवन कांदिवली, मुम्बई (महा.)।

विशेष : बैठक में प्रतिभागिता के सुअवसर के अलावा आपको अत्र विराजित शास्त्रज्ञ, तरूणतपस्वी, प्रशांतमना, नानेश पट्टधर पूज्य आचार्य–प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत/सतियां जी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन, वंदन, प्रवचन का लाभ प्राप्त होने की संभावना।

1. आंचलिक प्रतिवेदन एवं प्रवृत्ति प्रतिवेदन किसी भी आंचलिक पदाधिकारी/प्रवृत्ति संयोजक आदि को सभा में डिजीटली प्रस्तुत करवाने हेतु दिनांक 10 जनवरी 2026 तक केन्द्रीय कार्यालय व्हाटसप्प नंबर 9602026899 पर जानकारी भिजवाने की कृपा करावें।
2. आगामी तीन महिनों हेतु किए जाने वाले कार्यों पर आंकडों सहित अपनी प्रस्तुति देने के लिए सभी आंचलिक पदाधिकारी, प्रवृत्ति, संयोजक/सह–संयोजक अपने नाम दिनांक 10 जनवरी 2026 तक केन्द्रीय कार्यालय व्हाटसप्प नंबर 9602026899 पर भिजवाने की कृपा करावें।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

राम चमकते भानु समाना

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

सत्र 2023–25

कार्यसमिति बैठक का कार्यवृत्त

बैठक क्रमांक – 8

स्थान : गुलगुलिया मैदान
देशनोक (राजस्थान)

दिनांक : 23 सितंबर 2025

समय :
प्रथम सत्र दोपहर 4:00 बजे
द्वितीय सत्र सायं 7:45 बजे

: प्रधान कार्यालय :

समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर,

बीकानेर-334401 (राजस्थान), फोन नं. : 0151-2270261

www.sadhumargi.com, email : ho@sadhumargi.com

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

कालावधि	: 2023-25	बैठक क्रमांक	: 8
(अ) कुल सदस्य	: 301	दिनांक	: 23 सितंबर 2025
(ब) प्रतिभागी सदस्य	: 67	समय	: दोपहर 4:00 बजे से
			: सायं 7:45 बजे से
(स) विशेष आमंत्रित	: 45	सुगमकर्ता	: राष्ट्रीय महामंत्री
कुल उपस्थिति (ब+स)	: 112	अनुपस्थित (अ-ब)	: 234
बैठक स्थल	:	गुलगुलिया मैदान, देशनोक (राज.)	

कार्यसमिति बैठक के मुख्य बिंदु

निर्णय

1. विगत कार्यसमिति की बैठक **(दिनांक 12 जुलाई 2025 को बंसल होटल, देशनोक (राज.) में आयोजित)** के कार्यवृत्त की पुष्टि, अंगीकृति, अनुमोदना व स्वीकृति। (क्रम संख्या–2, पेज संख्या–2)
2. विगत कार्यसमिति बैठक से अब तक बने नए सदस्यों की सदस्यता की अनुमोदना व स्वीकृति। (क्रम संख्या–3 , पेज संख्या–2)
3. वित्तीय वर्ष 2024–25 की अन–ऑडिटेड बैलेंस शीट प्रस्तुति, अनुमोदना व स्वीकृति (क्रम संख्या–5 , पेज संख्या–7)

अन्य बिन्दु

1. अध्यक्षीय अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।

कार्यसमिति बैठक का कार्यवृत्त

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर पिता श्री नरेन्द्र जी गांधी के सभापतित्व में सत्र 2023–25 की अष्टम कार्यसमिति बैठक गुलगुलिया मैदान, देशनोक (राज.) में संपन्न हुई, जिसमें 67 सदस्य एवं 45 विशेष आमंत्रित महानुभावों की उपस्थिति रही।

(संलग्न परिशिष्ट–1)

बैठक की कार्यवाही एतत्पश्चात् विवरणित है। संदर्भित विवरण कार्यसूची में उल्लेखित मदों के क्रम में कुछ अंतर सहित प्रस्तुत है।

क्रम संख्या - 1 - सत्रारंभ– 1.1 - नवकार मंत्र के सामूहिक उच्चारण एवं संघ समर्पणा गीत के सहगान के साथ सत्रारंभ हुआ।

1.2 - राष्ट्रीय अध्यक्ष ने साधुमार्गी संकल्प–पत्र का वाचन किया, जिसका सदन में उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक दोहराव किया।

1.3 – राष्ट्रीय महामंत्री सुरेशकुमार जी बच्छावत ने परम पूज्य आचार्य भगवन्, उपाध्याय प्रवर एवं चारित्रात्माओं को परोक्ष वंदन कर सत्र 2023–25 के कार्यकाल की अष्टम कार्यसमिति बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की। अपने स्वागत उद्बोधन में उन्होंने कहा कि सभी शिखर सदस्य, पूर्व अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, निवर्तमान अध्यक्ष, वर्तमान पदाधिकारीगण, प्रवृत्ति संयोजकगण, संयोजन मंडल सदस्य, आंचलिक पदाधिकारीगण, कार्यसमिति सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं देश भर से पधारे सभी महानुभाव, अपने बहुमूल्य समय में से कुछ समय निकालकर इस कार्यसमिति बैठक में जो उपस्थित हुए हैं, उनका श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।

क्रम संख्या – 2 – विगत कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि, स्वीकृति एवं अनुमोदना – राष्ट्रीय महामंत्री ने अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए कहा कि 12 जुलाई, 2025 को बंसल होटल, देशनोक (राज.) में संपन्न हुई विगत कार्यसमिति–बैठक का कार्यवृत्त सभी सम्मानित सदस्यों को पूर्व में डाक द्वारा प्रेषित कर दिया गया था। साथ ही इस बैठक के एजेंडे के साथ व्हाट्सएप, पोस्ट द्वारा भी प्रेषित किया जा चुका है। आशा है आपको प्राप्त हो गया होगा एवं आपने अवलोकन भी कर लिया होगा। किन्हीं महानुभाव के पास विगत कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त से संबंधित किसी प्रकार की जानकारी, चर्चा, प्रश्न अथवा सुझाव हों तो कृपया सदन को अवगत कराएँ और अपनी स्वीकृति व अनुमोदना प्रदान करें।

संपूर्ण सदन ने हाथ उठाकर सहमति प्रदान करते हुए विगत कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त की स्वीकृति प्रदान की।

क्रम संख्या – 3 – सदस्यता स्वीकृति – राष्ट्रीय महामंत्री ने सदन में विगत ढाई माह में हुई विभिन्न सदस्यताओं की जानकारी देते हुए बताया कि संघ आजीवन सदस्य 3, प्रभावक सदस्य 2, विहार सेवा संयोजन सदस्य 4, शिखर सदस्य 1 पूर्ण, महाप्रभावक सदस्यता 3 पूर्ण हुए हैं। इन सभी की सदस्यता की स्वीकृति प्रदान करने हेतु सदन से निवेदन है।

सदन ने नए सदस्यों की सदस्यता हेतु स्वीकृति प्रदान की।

(संलग्न परिशिष्ट–2)

क्रम संख्या – 4 – त्रैमासिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुति – राष्ट्रीय महामंत्री ने सदन में (6 जुलाई से 20 सितंबर, 2025) विगत समय में हुई विभिन्न गतिविधियों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिनमें मुख्य बिंदु निम्नवत् रहे –

4.1 – महत्तम इमर्सिव – आचार्य श्री के जीवन पर **'नयनाभिरामम प्रदर्शनी का आगाज'** आचार्य श्री रामेश जन्मस्थली, भूरा पंचायती के पास, देशनोक में 12 जुलाई, 2025 को हुआ। यह प्रदर्शनी आचार्यश्री के जीवन और महिमा का अनुपम

बखान प्रस्तुत करती है। इसमें भक्ति, कला और इतिहास का अद्वितीय संगम देखने को मिलता है । पूर्व में आयोजित महत्तम शिखर महोत्सव के दौरान नोखा में स्थापित प्रदर्शनी को यहाँ और अधिक परिष्कृत स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है।

4.2 – तत्त्वानंद एवं अनुत्तरम शिविर– दिनांक 13 जुलाई से 27 जुलाई, 2025 (15 दिवसीय) तक तत्त्वानंद शिविर एवं 20 से 27 जुलाई, 2025 (8 दिवसीय) तक अनुत्तरम शिविर देशनोक में आयोजित हुआ। इस आवासीय शिविर में अनेक प्रतिभागी (लड़के व लड़कियाँ) विभिन्न अंचलो से अपने जीवन में नई ऊर्जा, जोश और सकारात्मक बदलाव हेतु जुड़े। प्रतिभागियों को आचार्य भगवन्, उपाध्याय प्रवर एवं संत/सतियाँ जी म.सा. का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, एवं पदासन का पूर्ण त्याग किया गया। उनको धर्म, ध्यान और तत्त्व ज्ञान की शिक्षा प्रदान की गई एवं संयम साधना के माध्यम से बिना व्यवधान जीवन आनंदमय बनाना सिखाया गया।

4.3 – दिल्ली प्रवास – 23 जुलाई, 2025 को राष्ट्रीय महामंत्री का एक दिवसीय दिल्ली प्रवास रहा। संघ श्रावकों को शीघ्र पाठशाला प्रारंभ करने व शिविरों में सहभागिता बढ़ाने हेतु प्रेरणा दी गई। अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिलीप जी चौरड़िया, दिल्ली संघ अध्यक्ष श्री रमेश जी गोलछा एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ दिल्ली में जोनल ऑफिस प्रारंभ करने हेतु विचार–विमर्श किया गया। चर्चा उपरांत निर्णय लिया गया कि संघ विस्तार एवं विकास हेतु जोनल ऑफिस खोलने का प्रस्ताव स्थानीय कार्यसमिति सभा में पारित करवाया जाएगा। शासन दीपक श्री मयंक मुनि जी म.सा. आदि ठाणा तीन के दर्शन–वंदन प्रवचन का लाभ प्राप्त हुआ।

4.4 – तमिलनाडु प्रवास – दिनांक 24–26 जुलाई 2025 को तमिलनाडु अंचल में तीन दिवसीय प्रवास राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल जी कोठारी, राष्ट्रीय मंत्री श्री गिरीश जी कुकड़ा एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों एवं अन्य सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में कोयम्बटूर, तिरुप्पुर, इरोड़, सेलम, सिरकाली, चेन्नई आदि स्थानों पर सम्पन्न हुआ।

इस दौरान कोयम्बटुर में अरुणोदय युवा शिविर हेतु प्रेरणा, प्रवृत्तियों के विस्तार हेतु चर्चा हुई। तिरुप्पुर में नए संघ का गठन हुआ एवं श्री सुधीर जी बोथरा अध्यक्ष चुने गए। इरोड को प्रतिनिधि क्षेत्र घोषित किया। साथ ही इरोड़ के असिस्टेंट जिला कलेक्टर श्री अर्पित जी जैन संग शिष्टाचार भेंट व बहुमान किया गया। सेलम में सकल संघ की उपस्थिति में प्रवृत्तियों की प्रेरणा दी गई। सिरकाली में दर्शन–वंदन के पश्चात स्वाध्यायी शिविर समापन समारोह आयोजित हुआ। चेन्नई में संगठनात्मक बैठक, स्थानीय समता भवन पर चर्चा एवं श्री सुनील जी

खेतपालिया का अभिनंदन किया गया।

4.5 – जयपुर ब्यावर अंचल प्रवास– दिनांक 27 जुलाई, 2025 के एक दिवसीय प्रवास जयपुर में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, युवा संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुमित जी बम्ब द्वारा किया गया। समता भवन दुर्गापुरा में पर्याय ज्येष्ठा श्री साधना श्री जी म. सा. व शा. दी. श्री कल्पना श्री जी म. सा. आदि ठाणा के दर्शन–वंदन उपरांत सामूहिक समता शाखा की आराधना का लाभ लिया। नियामक परिषद प्रमुख एवं युवा संघ के स्थानीय पदाधिकारियों व अन्य सदस्यों के साथ संघ संबंधी विस्तृत चर्चा हुई ।

श्री श्वे. स्था. जैन स्वाध्यायी संघ के वार्षिक अधिवेशन–2025 (तत्त्वावधान – श्री प्राज्ञ जैन संघ , जयपुर) के कार्यक्रम में आमंत्रित राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने संघनायक पूज्य गुरुदेव श्री प्रियदर्शन मुनि जी म. सा. आदि ठाणा एवं महासतियां जी म. सा. आदि ठाणा के दर्शन, प्रवचन का लाभ लिया ।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर ऑडिटोरियम, जयपुर में आयोजित सम्मेलन में पूरे भारत से पधारे हुवे प्राज्ञ संघ के नेतृत्वकर्ताओं, सदस्यों एवं अन्य सभी गणमान्य श्रावक–श्राविकाओं को संबोधित करते हुए अपने प्रभावी उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय ने प्राज्ञ संघ की स्वाध्यायी सेवाओं को सराहा। उन्होंने सभी को यह आह्वान किया कि भविष्य में जैन धर्म संघों को जीवंत रखने हेतु अभी बच्चों को संस्कार शालाओं व शिविरों से जोड़ना अति आवश्यक है। उन्होंने बताया कि साधुमार्गी संघ वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों की पाठशालाओं व शिविरों का संचालन सकल जैन संघों के एवं जैनेतर बच्चों के लिए कर रहा है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु बच्चों को इन पाठशालाओं व शिविरों से जोड़ने का श्रम कराएँ। कहीं पर भी, किसी भी सकारात्मक एवं जिनशासन हित के कार्य हेतु यदि प्राज्ञ संघ को या अन्य किसी भी जैन संघ को श्री साधुमार्गी जैन संघ के साथ की, सहयोग की आवश्यकता महसूस हो तो साधुमार्गी संघ हमेशा तत्पर रहेगा।

समता युवा संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने युवाओं को स्वाध्यायी सेवा से जुड़ने का आह्वान किया ।

राष्ट्रीय महामंत्री ने प्राज्ञ संघ द्वारा दिए गए समय व सम्मान हेतु आभार व्यक्त करते हुवे पारस्परिक सद्भाव में निरंतर प्रगति के भाव रखने का आह्वान किया ।

4.6 – छत्तीसगढ़–ओड़िसा अंचल– दिनांक 04 से 07 अगस्त, 2025 को छत्तीसगढ़–ओडिसा के चार दिवसीय प्रवास में संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल जी पारख, राष्ट्रीय मंत्री श्री नवीन जी देशलहरा, श्री गंभीर जी सांखला, अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में राजनांदगाँव, डोंगरगढ़, देवरी–बंगला, अछोली, संबलपुर–लोहारा,

डोण्डी लोहारा, चिकलाकसा, दल्लीराजहरा, कोण्डागांव, जगदलपुर, मल्कानगिरी, सुकमा, तोंगपाल, गीदम, सोनारपाल, कांकेर, दुर्ग, धमधा, रायपुर में प्रवास कर संघ प्रवृत्तियों की प्रभावना की।

संत महापुरुषों व सतियों के दर्शन–वंदन व प्रवचन एवं संघ विकास हेतु मार्गदर्शन प्राप्ति के बाद चिकलाकसा में नवनिर्मित समता भवन का लोकार्पण किया गया। कई संघों में पदाधिकारियों के नए मनोनयन एवं संघ आबद्धता, समता शाखा, पाठशाला, शिविर, दान पेटी, इदं न मम प्रवृत्तियों की प्रभावना की गई।

इदं न मम प्रवृत्ति में सुकमा हेतु श्री विवेक जी नाहटा, मलकानगिरी हेतु श्री नारायण जी सुराणा, तोंगपाल हेतु श्री रावल जी गोलच्छा, गीदम हेतु श्री मोतीलाल जी सालेचा, दुर्ग हेतु श्री नवीन जी बोथरा, श्री नरेश जी सांखला, कांकेर हेतु श्री ललित जी गांधी, धमधा हेतु श्री ललित जी पारख, श्री अजीत जी छाजेड़, रायपुर हेतु श्री राजेश जी सांखला, बीजा हेतु श्री मूलचंद जी छाजेड़ और साजा हेतु श्री पारसमल जी बांठिया को प्रभारी नियुक्त किया गया।

इदं न मम हेतु नये सदस्यों की स्वीकृति व श्री पारसमल जी जैन, धमधा ने प्रतिवर्ष राशि बढ़ाकर ₹ 11,000/– देने की घोषणा की गई।

4.7 – साधुमार्गी प्रोफेशनल्स फार्म – दिनांक 16–17 अगस्त, 2025 देशनोक में बंसल होटल में साधुमार्गी प्रोफेशनल्स फार्म का दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें देशभर से साधुमार्गी जैन संघ के प्रोफेशनल्स जुड़े।

श्री सिद्धार्थ जी मालू द्वारा प्रेरणा स्रोतों की विलक्षण कहानियाँ साझा की। (श्री नारायण मूर्ति की त्याग भावना, रतन टाटा का करुण नेतृत्व, एलन मस्क की धैर्यपूर्ण दीवानगी, बृजमोहन मुनजाल का उद्यम साहस और डॉ. पटनायक की भाग्य कहानी आदि), नेतृत्व विकास पर श्री राहुल जी जैन व संवाद पर *CA* प्रियंका जी जैन ने नेतृत्व संप्रेषण, सहज जुड़ाव और सकारात्मक दृष्टिकोण का महत्त्व समझाया।

विशिष्ट पैनलिस्ट्स में श्री विमल जी सिपानी, श्री पंकज जी शाह, श्री सचिन जी नाहर, श्री संजय जी सांड, श्री राजेश जी रांका, श्रीमती अलका जी बैद डागा ***Start & Up Culture, Value & Based Growth, importance of professionals in industry***, इंडस्ट्री में प्रोफेशनल्स का महत्त्व, रियल लाइफ चैलेंजेज पर अपने अनुभव साझा किए।

50 दिन 50 व्यसन मुक्ति अभियान, समता संस्कार शिक्षकों एवं बाल कलाकारों का सम्मान किया गया। ***Ek Samvaad for a Better Tomorrow*** पर श्री सचिन जी चंडालिया ने टीम–बिल्डिंग एक्टिविटी के माध्यम से प्रतिभागियों को एकजुटता और गुमनाम सेवा का महत्त्व बताया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री

सुमित जी बंब ने बताया कि जब आध्यात्मिकता और प्रोफेशनलिज़्म का मिलन होता है, तब केवल संगठन नहीं, पूरी पीढ़ियाँ बदलती हैं।

कॉर टीम मोहित जी भूरा, संभव जी लोढ़ा, लक्ष्य जी सेठिया, वर्षा जी कुदाल ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

4.8 – पुर्वोत्तर प्रवास :– दिनांक 6 से 12 सितंबर, 2025 (सात दिवसीय) – पूर्वोत्तर अंचल के प्रवास में अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री निर्मल जी बोथरा राष्ट्रीय मंत्री सुशील जी कांकरिया के नेतृत्व में राष्ट्रीय पदाधिकारीयो, महिला समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कनक जी डागा, राष्ट्रीय मंत्री नीतु जी सांखला, युवा संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धीरज जी गुलगुलिया, राष्ट्रीय मंत्री श्री नवीन जी देशवाल, इदं न मम के आंचलिक संयोजक श्री धनराज जी बोथरा, दानपेटी के अंचल संयोजक श्री हनुमान जी सोनावत, कार्यसमिति सदस्य श्री जीवराज जी पींचा, श्री झंवरलाल जी कुम्मट, स्थानीय संघों के अध्यक्ष जी, मंत्री जी एवं सभी कार्यकर्त्ताओं, श्रावक–श्राविकाओं की सराहनीय उपस्थिति रही।

प्रवास के प्रमुख क्षेत्र बदरपुर, करीमगंज, पथारकांदी, लाला बाजार, सिलचर–लखीमपुर, डिब्रुगढ़, सिलापथार, गुवाहाटी, हावली–बरपेटा, बंगईगांव, कोकड़ाझाड़, बिलासीपाड़ा, धुबड़ी–गौरीपुर–गोलकगंज रहे।

प्रवास के दौरान पथारकांदी व गोलकगंज में दो नए संघों का गठन किया गया। पथारकांदी, डिब्रुगढ़, सिलापथार, हवली, कोकड़ाझाड़, बिलासीपाडा, धुबड़ी, गोलकगंज आदि संघों को केन्द्रीय संघ से आबद्ध किया गया। प्रवास में प्रभावना के दौरान श्रमणोपासक सदस्य–1, साहित्य सदस्य–1, इदं न मम– 35 से अधिक, विहार सेवा सदस्य– 7, प्रभावक सदस्य– 5, महाप्रभावक सदस्य 2 बनाए गए। सभी संघों/क्षेत्रों में प्रवृत्तियों की प्रभावना की गई। समता शाखा, पाठशाला, शिविर, जैन संस्कार पाठ्यक्रम, प्रोफेशनल फोरम, स्वाध्यायी सेवा आदि से जुड़ने का आह्वान किया गया।

इसके साथ सभी व्यवसायी एवं प्रोफेशनल्स से इदं न मम के माध्यम से संघ सहयोग का आग्रह किया गया। प्रवास में इदं न मम प्रवृत्ति के सुचारू संचालन के लिए स्थानीय प्रभारी श्री अनिल जी सेठिया, बदरपुर, श्री जसकरण जी तातेड़, करीमगंज, श्री सुजीत जी बोथरा, पथारकांदी, श्री दिलीप जी सुराणा, लालाबाजार, श्री धनराज जी मालु, डिब्रुगढ़, श्री राजेश जी डागा, सिलापथार, श्री धनराज जी बोथरा, गुवाहाटी, श्री तपन जी बांठिया, बरपेटा, श्री सुरेन्द्र जी भूरा, हावली, श्री नंदकिशोर जी देशवाल, बंगईगांव, श्री राकेश जी बरड़िया, कोकड़ाझार, श्री चांदमल जी लुणावत, बिलासीपाड़ा की नियुक्त की गई।

(संलग्न परिशिष्ट–3)

4.9 – कोलकाता प्रवास – दिनांक 13 सितंबर, 2025 को एक दिन के लिए

कोलकाता में प्रवास किया गया। सर्व प्रथम पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. श्री सुंदर लाल जी दुग्गड़ के आकस्मिक निधन पर राष्ट्रीय पदाधिकारीगणों ने उनके पुत्र श्री विनोद जी दुगड़ से उनके निवास स्थान पर जाकर संघ की तरफ़ से गहरी शोक संवेदनाएँ प्रकट कीं।

वीर पिता श्री अबीरचंद जी सेठिया से उनके निवास पर मिलकर उनकी स्वास्थ्य संबंधी कुशलता की जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात कोलकाता, हावड़ा, हिंदमोटर संघों के सभी पदाधिकारीगण पूर्व एवं निवर्तमान पदाधिकारीगण, स्थानीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वीर परिवार के श्रावक–श्राविकाओं की उपस्थिति में विशेष चर्चा की गई। चर्चा में विहार सेवा, समता शाखा, समता संस्कार पाठशाला, एस.पी.एफ, स्वाध्यायी सेवा, दान पेटी, इदं न मम इत्यादि प्रवृत्तियों पर विशेष कार्य करने हेतु प्रेरणा दी गई।

4.10 - प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा व ओरिएंटल एस्ट्रोनॉमी (वैदिक *Astronomy*) - इस अवसर पर मंत्रालय की ओर से नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में 11 से 13 सितंबर 2025 तक 'पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत को पुनः प्राप्त करने' पर पहला 'ज्ञान भारतम्' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। संस्कृति मंत्रालय ने 'ज्ञान भारतम्' नामक एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय पहल शुरू की है, पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत की पुनः प्राप्ति एवं भारत की पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रसार के लिए यह कार्यक्रम समर्पित है।

इस संदर्भ में श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के प्रतिनिधि मण्डल ने पूर्व अध्यक्ष श्री गौतम जी रांका के नेतृत्व में श्रीमान गजेन्द्र सिंह जी शेखावत, सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्रालय, केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार, दिल्ली से मुलाकात कर कला एवं सांस्कृतिक विभाग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की।

श्री साधुमार्गी जैन संघ की प्रतिनिधि सुश्री मानसी जी धाड़ीवाल ने ज्ञान भारतम् मिशन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया व जैन ज्ञान परंपरा पर प्रस्तुति भी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर सम्मेलन तथा प्रतिभागियों की छवि साझा की।

4.11 - बीकानेर-मारवाड़ प्रवास - दिनांक 18–19 सितंबर, 2025 को दो दिवसीय प्रवास बीकानेर–मारवाड़ अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पूनम जी सुराणा के नेतृत्व में पाली, रोहट, जोधपुर, शेरगढ़, चाबा, सेतरावा, खींचन आदि में रहा।

सभी स्थानों पर चारित्रात्माओं के दर्शन–वंदन के साथ पाली में प्रवचन का लाभ प्राप्त हुआ। तदुपरांत सेतरावा में मुमुक्षु श्री विवेक जी गुलेच्छा, सुश्री ममता जी गुलेच्छा के अभिनंदन समारोह में सम्मिलित हुए। प्रवास के दौरान एक नवीन क्षेत्र रोहट की घोषणा भी हुई।

क्रम संख्या - 5 - वित्तीय वर्ष 2024-25 की अन-ऑडिटेड बैलेंस-शीट की प्रस्तुति- राष्ट्रीय महामंत्री ने राष्ट्रीय सह–कोषाध्यक्ष महादेव जी भंसाली को वर्ष 2024–25 के अन–ऑडिटेड बैलेंस–शीट की प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया। साथ ही आपने बताया कि नये नियमों के लागू होने के कारण ओडिट का कार्य अभी लम्बित है, संभवतः 30 अक्टूबर तक ही ऑडिटेड बैलेंस–शीट प्राप्त हो पाएगी। आपने बताया इस अन–ऑडिटेड बैलेंस–शीट में संभवतः कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा और आगामी आम सभा में भी इसे पास करवा लिया जाएगा।

5.1 - राष्ट्रीय सह–कोषाध्यक्ष ने अनऑडिटेड बैलेंस–शीट के सभी विवरण विस्तार से सदन के सामने रखते हुए कहा कि सदन से आग्रह है कि यदि कोई प्रश्न, जिज्ञासा अथवा सुझाव हो तो बताएँ।

सदन ने नई अन-ऑडिटेड बैलेंस-शीट पास करने हेतु स्वीकृति प्रदान की।

(संलग्न परिशिष्ट- 4)

क्रम संख्या - 6- निष्पादन बजट - राष्ट्रीय महामंत्री ने 01 जुलाई से 20 सितंबर, 2025 में विभिन्न प्रवृत्तियों के अंतर्गत हुई अभिवृद्धि को पी.पी.टी. के माध्यम से सदन में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कुल संघ में 3 (मल्कानगिरी, तिरूपुर, पथारकांदी), की अभीवृद्धि हुई। संघ आबद्धता 16 संघों ने ग्रहण की। श्रमणोपासक में 116, साहित्य सदस्यता में 15, आगम तत्त्व सदस्यता में 8, विहार सेवा संयोजन सदस्यता में 4, आचार्य श्री श्रीलाल उच्च शिक्षा योजना के अन्तर्गत 6 छात्र लाभान्वित हुए हैं। समता भवन 2 (सांगरिया तथा राजनांदगांव) का निर्माण पूर्ण हो गया है। ग्लोबल कार्ड सदस्यता 44, संघ आजीवन सदस्यता 3, संघ प्रभावक सदस्यता 2, महाप्रभावक सदस्यता 3 पूर्ण हुई है। शिखर सदस्य 1 श्रीमती कमलाबाई चौरड़िया, बालाघाट पूर्ण हुई है। इदं न मम में 179 नए सदस्यों की अभिवृद्धि हुई है। श्रमणोपासक सदस्यता, समता संस्कार पाठशाला, जैन संस्कार पाठ्यक्रम, ग्लोबल कार्ड, गुणशील आदि के बारे में भी सदन में जानकारी रखी गई।

जिसकी सदन ने बहुत-बहुत अनुमोदना की।

क्रम संख्या - 7 - आंचलिक प्रतिवेदन - प्रगति प्रतिवेदन के पश्चात् राष्ट्रीय महामंत्री ने आंचलिक प्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण किया ।

7.1 - मध्यप्रदेश अंचल – राष्ट्रीय मंत्री कमल जी पिरोदिया द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महामंत्री ने सदन को बताया कि इस वर्ष 2025 में पूरे म. प्र. अंचल में 12 चातुर्मास संपन्न होने जा रहे हैं। सभी चातुर्मासों में बहुत अच्छी धर्म आराधना हो रही हैं। इंदौर में शासन दीपक श्री आदित्य मुनि जी म.सा. के सन्निध्य में 25 रंगी एवं रतलाम में शासन दीपक रोहित मुनि जी म.सा. के सन्निध्य में विगय रहित एकासन बहुत अच्छी संख्या में संपन्न हुए।

नगरी समता भवन का कार्य भी तेजी से चल रहा है, दूसरी छत भरने की तैयारी चल रही हैं। इसके साथ अगस्त–सितंबर माह में हमने अंचल में इदं न मम की अच्छी प्रभावना की और 40 नए सदस्य बनाए। इसके साथ पुराने सदस्यों से कलेक्शन के साथ ही नए सदस्य बनाने कार्य जारी है। नीमच (केसुंदा) निवासी दीक्षार्थी भाई अमित जी गांधी का अंचल की ओर से बहुमान किया गया। दानपेटी भी सभी संघों में लग चुकी है, साथ ही कलेक्शन भी बहुत अच्छा हुआ है।

7.2 – तमिलनाडु अंचल – राष्ट्रीय मंत्री गिरीश जी कूकड़ा द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महामंत्री ने सदन को बताया कि समता भवन, चेन्नई में 13 जुलाई, 2025 को एकासन दिवस मनाया गया, जिसमें 50 से अधिक श्रावक–श्राविकाओं ने एकासन कर लाभ लिया।

20 से 27 अगस्त को इंदौर से स्वाध्यायी समता भवन चेन्नई पधारे, जिन्होंने पर्युषण के दौनान स्वाध्यायी सेवा प्रदान की। इसमें 150 से अधिक श्रावक–श्राविकाओं ने स्वाध्याय का लाभ लिया। इसी क्रम में 21 से 25 जुलाई को स्वाध्यायी शिविर का आयोजन सिरकाली में हुआ। इसमें 62 प्रतिभागियों ने लाभ प्राप्त किया।

राष्ट्रीय टीम का 24 से 26 जुलाई को तमिलनाडु में कोयंबटूर, इरोड, सेलम, तिरुपुर, सिरकाली और चेन्नई में प्रवास हुआ। तिरुपुर में नया संघ गठित किया। 31 अगस्त से 9 सितंबर तक गुरु दर्शन यात्रा में चेन्नई से 130 श्रावक–श्राविकओं द्वारा देशनोक, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, जयपुर, पांचू, उदयरामसर में चारित्रात्माओं के दर्शन–वंदन का लाभ लिया।

7.3 – मुम्बई-गुजरात-यू.ए.ई. अंचल– राष्ट्रीय मंत्री विमल जी गुलेच्छा द्वारा प्राप्त विगत 2 वर्षों के प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए महामंत्री ने सदन को बताया कि इस अंचल में मुम्बई में आंचलिक कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में ही महत्तम शिखर का आगाज हुआ।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों, आंचलिक उपाध्यक्ष व मंत्री, कार्यसमिति सदस्यों के साथ सम्पन्न हुए आंचलिक प्रवास के दौरान, वापी, वलसाड, अब्रामा, चिखली, वासंदा, नवसारी, बारडोली, नेत्रंग, सेलम्बा, सूरत, अंकलेश्वर, बडोदरा, साबरमती, शाहीबाग, अहमदाबाद में सम्पन्न हुआ। इस प्रवास के दौरान वलसाड़, नेत्रंग व अंकलेश्वर नए क्षेत्र बने और चिखली को संघ का दर्जा देकर अध्यक्ष एवं मंत्री का मनोनयन किया गया। प्रवास के दौरान 6 महाप्रभावक सदस्य, 6 प्रभावक सदस्य, विहार सेवा सदस्य के रूप में 3 सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की।

दूसरा प्रवास अहमदाबाद में सम्पन्न हुआ, जिसमें पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पुखराज जी बोथरा ने समता भवन में अपनी सहभागिता 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2 प्रतिशत करने की स्वीकृति प्रदान की। इदं न मम के पूर्व रा. संयोजक श्री

राजकरण जी बरड़िया ने 5 लाख रुपये संघ सहयोग में देने की घोषणा की।

अभिमोक्षम शिविर, चित्तौड़ में अंचल से 200 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ और 160 बच्चे उपस्थित रहे। परिज्ञा शिविर के अंतर्गत अहमदाबाद, सूरत, मुम्बई 3 क्षेत्रों में परिज्ञा आवासीय शिविर का आयोजन हुआ। परिवर्धनम शिविर के अंतर्गत अंचल के 2 क्षेत्रों मुम्बई और सूरत में शिविर आयोजन हुआ, जिसमें कुल 137 बच्चों ने भाग लिया।

अंचल में कुल 22 समता संस्कार पाठशाला में बच्चों को ज्ञान–ध्यान सिखाया जाता है। 'इदं न मम' के अंतर्गत विगत 2 वर्षों में सदस्य 160 की संख्या से बढ़कर 400 हो गई। अंचल से लगभग 25 स्वाध्यायी प्रतिवर्ष अपनी सेवाएं दे रहे है। हर 10 परिवारों पर 1 प्रतिनिधि का गठन किया गया। साथ ही सेवाएं शुरु हुईं जिनके द्वारा हर आयाम को घर–घर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दानपेटी के अंतर्गत उमेश जी मेहता के पुरुषार्थ से पिछले वर्ष, 7 लाख एवं इस वर्ष 10.56 लाख की राशि एकत्रित हुए। 573 परिवारों में नई दान पेटीयाँ लगाई गई, जिनसे राष्ट्रीय स्तर पर दानपेटी में हमारा अंचल तृतीय स्थान पर रहा।

'महत्तम महोत्सव' के अंतर्गत मुम्बई–गुजरात अंचल छोटा होते हुए भी अग्रिम पंक्ति में रहा। साथ ही तप–त्याग में 115 लड़िया, (एकासन, उपवास, आयंबिल एवं तेले इत्यादि) तपस्या में प्रथम स्थान पर रहा।

महत्तम सोमनस आंचलिक प्रोग्राम सूरत में सम्पन्न हुआ। महत्तम नंदन का अहमदाबाद व मुम्बई में आयोजन हुआ। महत्तम महोत्सव के अंतर्गत समता शाखा में 2065 श्रावकों की उपस्थिति दर्ज की गई।

आंचलिक प्रवास– अंचल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अजित जी कांकरिया, मंत्री श्री विमल जी गुलेच्छा, स्थानीय कार्यकारिणी सदस्यों का बारडोली और हालोल में प्रवास हुआ।

क्रम संख्या – 8 – प्रवृत्तिवार प्रस्तुतीकरण – राष्ट्रीय महामंत्री ने प्रवृत्ति संयोजकों द्वारा प्राप्त रिपोर्ट्स का प्रवृत्तिवार प्रस्तुतीकरण किया।

8.1 – धर्मपाल बौद्धिक विकास समिति– राष्ट्रीय संयोजक चन्द्रशेखर जी जैन द्वारा भेजा गया प्रवृत्ति विकास व उत्साहवर्धक कार्यों का विवरण सदन के सम्मुख रखते हुए राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि जुलाई माह में सभी धर्मपाल क्षेत्रों की पाठशालाओं में जिन बच्चों की सामायिक पूरी हुई, उन्हें संघ द्वारा बैग, कपड़े, पट्टी –पहाड़ा, पढ़ाई–सामग्री वितरित की गई। राष्ट्रीय संयोजक ने सामायिक पूर्ण होने व श्री निर्मल जी चपलोत ने प्रतिक्रमण पूर्ण होने वाले सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया।

अगस्त माह में सभी धर्मपाल क्षेत्रों में पर्युषण पर्व मनाया गया। श्री मोहनलाल जैन द्वारा प्रवचन व प्रतिक्रमण के माध्यम से धार्मिक जागृति फैलाई गई। आप द्वारा

धर्मपाल बच्चों को छोटी–छोटी तपस्या, उपवास, एकासन, नवकार मंत्र जाप, रात्रि भोजन का त्याग, स्नान का त्याग करने हेतु प्रेरणा दी।

सितम्बर माह में जैन संस्कार पाठ्यक्रम की परीक्षा सभी धर्मपाल क्षेत्रों में करवाई गई, जिसमें कुल 173 बच्चों ने भाग लिया।

धर्मपाल क्षेत्र : नागदा जंक्शन, महिदपुर रोड, महिदपुर सिटी, जावरा, खाचरौद, रतलाम, बड़नगर, बडगॉव, बडवाड़ा, शाजापुर, उज्जैन, मंदसौर आदि में कुल 121 पाठशालाएँ संचालित हो रही हैं जिनमें लगभग 2420 बच्चे ज्ञान–ध्यान सीख रहे है। इनमें से 30 पाठशालाएँ संघ द्वारा, 91 शिक्षक द्वारा संचालित की जाती है। प्रत्येक पाठशालाओं में सामायिक, प्रतिक्रमण, भजन स्तवन, नानेश–रामेश चालीसा, गुरुदेव के प्रवचन, भारत के नैतिक ज्ञान आदि का अध्ययन करवाया जाता है।

27 जुलाई 2025 से 03 अगस्त 2025 तक 'राम गुरु का यह संदेश' के तहत व्यसन मुक्त सप्ताह मनाया गया। 21 सितंबर 2025 को भी व्यसन मुक्त रैली आयोजित की जाएगी। 'एक राष्ट्र एक संघ' के अंतर्गत कार्यक्रम संपन्न हुआ।

8.2 -दान पेटी- दान पेटी योजना प्रवृत्ति अपने मूल उद्देश्यों पर केंद्रित हो कर घर–घर लगे दान पेटी और नियमित होने वाले दान पर ऊर्जावान टीम के साथ अनेक माध्यमों से लगातार विकास की ओर प्रवर्धमान है।

वित्त वर्ष 2025 में इस प्रवृत्ति ने सुनियोजित कार्य करते हुए 42 प्रतिशत राशि की अभिवृद्धि की है, जो प्रशंसनीय है। प्रवृत्ति संयोजक की जन्म नगरी में आचार्य भगवन् का चातुर्मास होना और स्थानीय संघ की सेवाओं के साथ 1008 अठाई अनुष्ठान की जिम्मेदारी निभाते हुए भी प्रवृत्ति विकास के कार्यों को सुनियोजित पूर्ण किया गया। इस वित्त वर्ष में अभी तक 15,77,172 राशि एकत्रित कर केंद्रीय कार्यालय भेजी गई है।

जिन संघों में अभी तक दानपेटियाँ नहीं खोली गई हैं उन्हें खोलने की प्रेरणा दे रहे हैं। अपने दो वर्षीय कार्यकाल के दौरान प्रवृत्ति का देश व्यापी विकास किया है, लगभग सभी अंचलों में ऊर्जा का संचार करते हुए बढ़ोतरी हुई है। दानपेटी योजना की पूरी टीम को प्रशंसनीय कार्य हेतु बहुत–बहुत साधुवाद!

क्रम संख्या - 9 - अन्य विषय – राष्ट्रीय महामंत्री ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय पर चर्चा का सत्र प्रारंभ किया एवं उन्होंने सदन से निवेदन किया कि हम आगामी कार्यसमिति में क्या योजना बनाएँ कि सभी कार्यसमिति सदस्य मीटिंग में उपस्थिति हों, इस पर आप सभी के सुझाव आमंत्रित हैं।

9.1 महाराष्ट्र अंचल के कार्यसमिति सदस्य श्री ललित जी चोरड़िया ने बताया कि अहमदनगर में समता भवन की आवश्यकता है। हमारे श्रावक–श्राविकाओं को समता शाखा व चातुर्मास में भी हमें इसकी कमी महसूस

होती है। आप सभी से निवेदन है कि इस ओर संघ का ध्यान दिलाएँ।

9.2 पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चंपालाल जी डागा, गंगाशहर ने बताया कि महामंत्री ने कहा कि कार्यसमिति में सम्पूर्ण उपस्थिति हेतु हमें नवीन कार्यसमिति में 25 प्रतिशत उन व्यक्तियों का चयन करना चाहिए जो पूर्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष आदि पदों पर आसीन रहे हों तो वर्तमान टीम को उनके अनुभवों का लाभ स्वतः ही प्राप्त हो जाएगा। 25 प्रतिशत युवा साथियों को लेना चाहिए ताकि उनको हम आगामी कार्यकाल के लिए तैयार कर सकें। 25 प्रतिशत हमें दानदाताओं में से भी लेने चाहिए क्योंकि बगैर अर्थ सहयोग संघ को गति प्राप्त नहीं हो सकती है। 25 प्रतिशत हमें ऐसे कार्यकताओं को लेना चाहिए जिनमें उत्साह है, गुरुदेव के प्रति अपार श्रद्धा है, संघ के कार्यों को करने के लिए तत्पर हैं, ऐसे लोगो का चयन करना चाहिए, ताकि कार्यसमिति में एक मजबूत, अनुशासित व कुशल टीम बन सके।

9.3 राष्ट्रीय मंत्री तनसुख जी जैन ने सदन को बताया कि बीकानेर–मारवाड़ अंचल में करीब–करीब सभी जगहो पर प्रवास के कार्यक्रम राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ पूर्ण हो चुके है, वर्तमान में 18,19 को पाली, रोहट, जोधपुर, शेरगढ़, चाबा, सेतरावा, खीचन में भी प्रवास हुआ। आपने बताया कि नवीन कार्यसमिति सदस्यों हेतु कार्य चल रहा है जल्द ही सक्रिय कार्यक्रताओं के नामों की सूची राष्ट्रीय पदाधिकारियों को सपुर्द कर दी जाएगी। आगे आपने एक निवेदन सदन के समक्ष रखते हुए कहा कि संघ की प्रवृत्तियाँ श्रमणोपासक, साहित्य, इदं न मम आदि में हमने दान राशि बढ़ा दी है लेकिन जो श्रावक–श्राविका 500 रुपए तक दान करना चाहता है उनके लिए हमें कुछ करने की आवश्यकता है। केन्द्रीय कार्यालय के स्टॉफ के साथ भी कार्यकारिणी की मीटिंग करवाई जाए ताकि उनकी जिम्मेदारियों व दायित्व की जानकारी हमें हों तो कार्य करवाने में हमें आसानी रहेगी। इसके साथ आपने कहा कि संघ द्वारा वर्तमान में जो भी गतिमान प्रवृत्ति है उसकी पूरी टीम व भविष्य के कार्यों की रूपरेखा तैयार होनी चाहिए ताकि वे समय के साथ शिथिल न हो, उनमें निरन्तर कार्य होता रहे।

9.4 श्री मनोज जी पिपाड़ा बिरमावल ने सदन को बताया कि सभी कार्यकारिणी सदस्यों को बैठकों में आने के लिए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री को चाहिए वे अपने साथ 5 से 7 कार्यसमिति सदस्यो को साथ लेकर ही आएँ उनके साथ सफर में ही सारी रूपरेखा व गतिविधियों के विकास पर चर्चा हो सकती है।

9.5 राष्ट्रीय मंत्री कमल जी पिरोदिया, रतलाम ने सदन को बताया कि हमें सभी कार्यसमिति सदस्यों की उपस्थिति के लिए उनको क्या कार्य करने, लक्ष्य, प्रवास व जिम्मेदारियों से अवगत करवाने का प्रारूप देना होगा ताकि उनके अन्तर्गत होने वाले क्षेत्रों में उन्होंने कितना कार्य किया, किस प्रवृत्ति के विकास पर

कार्य किया उनकी जानकारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष / मंत्री को हो सके। अगर कार्य नहीं हो पा रहा है तो इस प्रारूप के माध्यम से हम उनको अवगत व प्रेरित कर सकते है।

9.6 श्रमणोपासक की सह–संपादिका श्रीमती मोनिका जी ओस्तवाल, ब्यावर ने सदन को बताया कि श्रमणोपासक संघ का मुख्य पत्र है, जिसमें संपादन कार्य करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। महापुरुषो की कृपादृष्टि व आप जैसे श्रावक–श्राविकाओं के सुझावों व मागदर्शन से सुचारू रूप से गतिमान है। हमारे संघ का मुख्य पत्र सारगर्भित जानकारी के लिए सकल जैन समाज में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। इसकी हजारों प्रतियाँ साधुमार्गी ही नहीं अपितु सकल जैन समाज, लाईब्रेरियों व अंतर्राष्ट्रीय स्थानों पर प्रेषित की जाती है। श्रमणोपासक में श्री भगवती सूत्र प्रश्नमाला कि सीरीज 5 वर्षों से निरन्तर चल रही है और आगे भी श्रीमती कंचनदेवी कांकरिया द्वारा लिखित श्री प्रज्ञापना सूत्र सीरीज को चलाने जा रहे है। ऐसे ही अंग्रेजी अनुवाद में आचार्य भगवन् की पुस्तकों व अन्य मेटर का अनुवाद उषा जी जैन, इन्दौर द्वारा करवाकर प्रकाशित कर रहे है। उन्होंने पूज्य हुक्मेश की पुस्तक का अनुवाद भी किया है, जिसके साथ अन्य विषय भी हमने प्रकाशित किए है। श्रमणोपासक में पाठकों के मोबाईल नम्बर अपडेट नहीं होने के कारण व पत्रिका में बार–बार अपील करने के बाद भी अप्डेट नहीं होने से कुछ समय के लिए आगामी अंक से उनकी प्रतियाँ बंद की जा रही है। जैसे–जैसे जानकारी प्राप्त होगी, उनकी प्रति फिर से प्रारम्भ कर दी जाएगी। साथ ही आचार्य श्री रामेश के संयमी जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 'महत्तम सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव विशेषांक' का कार्य गतिमान है यह विशेषांक जल्द आप लोगो के करकमलों में होगा। विशेषांक को भविष्य हेतु एक धरोहर बनाने की कोशिश की गई है।

9.7 धर्मपाल प्रवृत्ति के राष्ट्रीय संयोजक श्री चंदशेखर जी जैन ने कहा कि धर्मपाल पाठशालाओं का अलग पाठ्यक्रम होना चाहिए साथ ही आपने सदन से निवेदन किया कि जहाँ पाठशालाएँ गतिमान हैं या धर्मपाल भाइयों द्वारा समय–समय पर विहार सेवा सहयोग प्राप्त होता है, उन क्षेत्रों से हमें संघ कार्यक्रमों में धर्मपाल भाइयों को बुलाना चाहिए ताकि उनका उत्साहवर्धन हो सके।

9.8 निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गौतम जी रांका ने विषय से अलग बात करते हुए बताया कि महापुरुषों का चिंतन होता है तो उसमें पूरा समाज एकजुट हो गया, चाहे वो साधु–समाज हो या श्रावक–श्राविका हों। आपने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार हमारे घर में कोई शादी या समारोह हो तो 2 से 3 माह पूर्व हमारी प्लानिंग तय हो जाती है। साथ ही परिवार का हर व्यक्ति अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए अपने कार्य व दायित्व तय कर लेता है। उसी प्रकार हमारे संघ में भी बहुत से श्रावक है जिनमें बहुत–सी संभावनाएँ हैं उन संभावनाओं को जानने की

आवश्यकता है और उन श्रावकों के नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष को बताने की आवश्यकता है। ताकि सभी नेतृत्व से खिलती हुई कलियाँ और भी जुड़ेंगी और संघ को महकाएँगी।

9.9 बीकानेर–मारवाड़ अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पूनमचंद जी सुराणा ने सदन को बताया कि कार्यसमिति सदस्य कैसे हों, उनकी उपस्थिति व कैसे लोगो को जोड़ा जाए, इसके लिए बहुत से सुझाव आप लोगों ने बताए। मेरा निवेदन है कि अंचल के कार्यसमिति सदस्यों को जोन में विभाजित करना चाहिए ताकि उनके क्षेत्र में आने वाले गांवों के अध्यक्ष/मंत्री से मिलकर कार्य को गति प्रदान की जा सके। हमें एक अंचल में ज्यादा कार्यसमिति सदस्यों की जगह सक्रिय कार्यसमिति सदस्यों का चयन करना चाहिए। आपने यह भी निवेदन किया कि बीकानेर–मारवाड़ अंचल में कई जगहों पर समता भवन निर्माण (रावतसर) हो रहे हैं और बहुत सी जगहों पर बनाने की आवश्यकता (भुमरा) भी है। आपसे निवेदन है कि दानपेटी योजना में घरों के हिसाब से प्राप्त दानराशि के अनुपात के अनुसार प्रथम, द्वितीय, तृतीय की घोषणा होनी चाहिए।

9.10 दानपेटी संयोजक श्री पूनमचंद जी भूरा ने सदन को बताया कि 2 वर्ष पूर्व जब दानपेटी योजना की टीम का निर्धारण किया गया तो एक दूसरे से परिचय न के बराबर होते हुए भी टीम के आपसी व नियमित सम्पर्क करने के कारण आज परिणाम सभी के समक्ष है। मेरा आने वाली टीम से यही निवेदन रहेगा कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री व कार्यसमिति सदस्यों का आपसी समन्वय इतना सशक्त हो कि उनको कार्य करने के लिए और बार–बार जागरूक करने की आवश्यकता नहीं पड़े। निरन्तर सम्पर्क में रहने से उनको दी गई जिम्मेदारियों का वे आसानी से निर्वहन कर सकेंगे।

9.11 छ.ग.–ओडिसा के राष्ट्रीय मंत्री श्री नवीन जी देशलहरा ने सदन को बताया कि महत्तम महोत्सव के अन्तर्गत एक प्रयोग किया गया था कि एक व्यक्ति 10 घरों में जाएगा। उसी प्रकार हर 10 गांवों पर एक कार्यसमिति सदस्य को जिम्मेदारी दी जाए तो संभावना है कार्य को गति प्राप्त हो सकती है। साथ ही आपने बताया कि 'इदं न मम' व 'दान पेटी' योजना में अंचल संयोजकों की नियुक्ति होती है उसी तरह वीर परिवार, छात्रवृत्ति जैसी अन्य प्रवृत्तियों में भी ऐसी नियुक्ति की आवश्यकता है ताकि उन प्रवृत्तियों पर भी और कार्य हो सकें।

9.12 मुम्बई–गुजरात अंचल के राष्ट्रीय मंत्री श्री विमल जी गुलेच्छा ने कहा कि हम किसी अन्य शहर के व्यक्ति का नाम किसी पद के लिए सुझाव करते हैं, इससे पहले हमें स्थानीय संघ के अध्यक्ष से जानकारी अवश्य कर लेनी चाहिए कि वह व्यक्ति सक्रिय कार्यक्रता है या नहीं, काफी बार यह देखा जाता है बात करने में बहुत–से व्यक्ति काफी अच्छे होते हैं लेकिन संघ के कार्यों में समय नहीं दे पाते है

इसलिए मेरा निवेदन है कि स्थानीय संघ के अध्यक्ष/मंत्री का सुझाव के आधार पर ही मनोनयन होना चाहिए। इसके साथ ही जो कार्यसमिति सदस्य मिटिंग में निरन्तर अनुपस्थित रहते है उनको संघ की तरफ से पत्र/नोटिस जाना चाहिए।

9.13 साहित्य प्रवृत्ति संयोजक श्री सुनील जी बम्ब ने कहा कि एक ऐसा प्रारूप हमें बनाना चाहिए, जिसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री सभी कार्यसमिति सदस्यों को अपने अन्तर्गत क्षेत्रों के स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री को कॉल कर किए गए कार्यो की रिपोर्ट प्राप्त करे एवं स्वयं भी अपने कार्यों की एक विस्तृत रिपोर्ट बनाकर राष्ट्रीय महामंत्री को भेजे। ऐसे आपसी सम्पर्क करने से कार्य हो सकता है और सभी प्रवृत्तियों का विकास हो सकेगा।

राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि सभी के सुझाव हमने लिखे हैं इनके आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है जिस अंचल में कार्य नहीं हो रहा है वहाँ व्यक्ति बदलना होगा अंचल संयोजक बनाने का सुझाव आया, लेकिन यह कार्य वर्तमान में बहुत–सी प्रवृत्ति में हुआ था, संयोजन मण्डल सदस्यों की नियुक्तियाँ भी हो चुकी थीं, लेकिन हमारी कहीं–न–कहीं कमी रही है उनसे सम्पर्क करने व कार्यों की जिम्मेदारी देने की। इस वर्ष राष्ट्रीय टीम का यही प्रयास रहेगा की उन्हीं कार्यसमिति सदस्यों व कार्यक्रताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी जो कार्य कर सकते हैं। गुलेच्छा जी ने जो निवेदन किया वह प्रणाली विद्यमान है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री मीटिंग में पधारने हेतु कार्यसमिति को निवेदन करेंगे। इसके साथ ही अनुपस्थिति पर भी हमारे विधान में यह नियम है, जो कार्यसमिति सदस्य 3 मीटिंग में नहीं पधारें उन्हें पद से हटाया जा सकता है, लेकिन हमने अभी यह निर्णय कभी लिया नहीं। साथ ही 'स्वयं की खोज' नाम से हमने फार्म श्रमणोपासक व सभी सोशल मीडिया ग्रुप में भी भिजवाया है ताकि हम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री, कार्यसमिति सदस्य, प्रवृत्ति संयोजक आदि का मनोनयन कर सके, लेकिन सिर्फ 4 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए हैं। हमें अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। इसीलिए हमने मीटिंग का मुख्य एजेंडा भी रखा और आप सभी के सुझाव मांगे हैं।

9.14 पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उमरावसिंह जी ओस्तवाल ने सदन से कहा कि यह संघ सिर्फ राष्ट्रीय पदाधिकारियों का नहीं है, अपितु हम सभी का है। इसलिए इसके कार्यों को करने के लिए, अपने कर्तव्य, अपने दायित्व तय करने के लिए इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। हमें संघ को आगे बढ़ाने के लिए व संघ को अपना संघ समझकर कार्य करने की आवश्यकता है।

9.15 निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गौतम जी रांका ने बताया कि **प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा व ओरिएंटल एस्ट्रोनॉमी (वैदिक *Astronomy*)** - पर सांस्कृतिक विभाग ने आगम, अंहिसा–समता एवं प्राकृत संस्थान के साथ में सहयोग कर कार्य करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसका सेमिनार ब्यावर या

आचार्य प्रवर का जहाँ विराजना होगा वहाँ होने की संभावना है। पूरे भारतवर्ष व विदेश से विद्वानों को भिजवाने का कार्य सांस्कृतिक विभाग का रहेगा। यह हमारे संघ के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है कि हमारे संघ में जो शोध चल रहा है– एक देश, एक पंचाग तिथि, आगम व पुरानी पाडुलिपियों का अध्ययन। इस हेतु सहयोग की स्वीकृति प्रदान की है।

9.16 पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री गौतम जी पारख ने सदन को बताया कि इस वर्ष आचार्य श्री जवाहरलाल जी म.सा. की 150वीं जन्म जयंती मनाई जा रही है और उनके नाम से डाक टिकट व सिक्का भी जारी कर दिया गया है। ऐसे महापुरुष आचार्य जो साधु मर्यादा में रहते हुए स्वतंत्रता, खादी, हिन्दी भाषा, सामाजिक कुरीतियों की बात करते रहते थे। ऐसे आचार्यश्री की जन्मजयंती पर हमें संघ की तरफ से एक वर्ष जन–जन तक आचार्य श्री के विचारों को पहुंचाने हेतु जो भी कार्य किए जा सकते हैं, वे कार्य करने चाहिए।

9.17 सुझाव प्राप्त हुआ कि 'अनमोल मणियाँ' का प्रकाशन 2012 में हुआ था। इसके बाद 200–250 संत–सतियाँ जी की दीक्षाएँ हो चुकी हैं, अतः हम संघ से आशा करते है कि उसका आगे प्रकाशन का कार्य होना चाहिए एवं संयम शतम पूर्ण होने पर इस पर कार्य को करना चाहिए।

क्रम संख्या - 10 - राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्बोधन – राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज अष्टम कार्यसमिति की बैठक देशनोक में हुई। सदन को यह बताते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि श्री अ. भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति 2025–27 के कार्यकाल के लिए छ.ग. के दुर्ग से श्रीमती चंचल जी सांखला धर्मसहायिका श्री प्रकाश जी सांखला का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मनोनयन हुआ है।

बैठक में पधारे हुए पूर्व एवं वर्तमान गणमान्य पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों और देशभर से पधारे हुए महानुभावों का आभार एवं अभिनंदन करता हूँ। साथ ही कल आमसभा होने जा रही है, जिसमें आप सभी आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या - 11 - आभार ज्ञापन - राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष श्री महादेव जी भंसाली ने बैठक के अंत में सभी सहभागी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार ज्ञापित किया। इसी क्रम में बैठक हेतु देशभर से पधारे कार्यसमिति सदस्यों एवं महानुभावों के लिए आवास, भोजन, परिवहन तथा इवेंट मैनेजमेंट के सुव्यवस्थित कार्य संपादन हेतु श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ, देशनोक के सभी पदाधिकारियों, उनकी टीम व सदस्यों का आभार ज्ञापित किया गया।

क्रम संख्या - 12 - समापन – महापुरुषों की जय–जयकार एवं संघ समर्पणा गीत की पंक्तियों के सामूहिक गान के साथ कार्यसमिति बैठक का समापन हुआ।

उपस्थित केंद्रीय पदाधिकारी

परिशिष्ट –1

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

क्र.	नाम	शहर	पद
1.	श्री नरेन्द्र जी गांधी	जावद	राष्ट्रीय अध्यक्ष
2.	श्री सुरेशकुमार जी बच्छावत	बीकानेर	राष्ट्रीय महामंत्री
3.	श्री गौतम जी रांका	मुम्बई	निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
4.	श्री महादेव जी भंसाली	गंगाशहर	राष्ट्रीय सहकोषाध्यक्ष
5.	श्री पूनमचन्द जी सुराणा	सूरतगढ़	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (बीकानेर–मारवाड़)
6.	श्री अजित जी चेलावत	जावद	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मध्यप्रदेश)
7.	श्री सुरेश जी दक	मैसूर	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (कर्नाटक अंचल)
8.	श्री नवनीत जी राखेचा	सिरपुर	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महा.–विदर्भ–खा.)
9.	श्री अजित जी कांकरिया	सूरत	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मुम्बई–गु.–यू.ए.ई)
10.	श्री निर्मल जी बोथरा	गुवाहाटी	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (पूर्वोत्तर अंचल)
11.	श्री दिलीप जी चोरड़िया	दिल्ली	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दिल्ली–पं.–ह.–उ.)
12.	श्री तनसुख जी गुलेच्छा	जोधपुर	राष्ट्रीय मंत्री (बीकानेर मारवाड़)
13.	श्री कमल जी पिरोदिया	रतलाम	राष्ट्रीय मंत्री (मध्यप्रदेश अंचल)
14.	श्री नवीन जी देशलहरा	दुर्ग	राष्ट्रीय मंत्री (छत्तीसगढ़–ओड़ीशा)
15.	श्री विमल जी गुलेच्छा	अहमदाबाद	राष्ट्रीय मंत्री (मुम्बई–गुजरात)
16.	श्री विनोद जी पितलिया	हैदराबाद	राष्ट्रीय मंत्री (कर्नाटक अंचल)
17.	श्री सुशील जी कांकरिया	सिलचर	राष्ट्रीय मंत्री (पूर्वोत्तर अंचल)
18.	श्री शांतिलाल जी सेठिया	लुधियाना	राष्ट्रीय मंत्री दिल्ली–पं.–ह.–उ.)
19.	सौ. मोनिका जी ओस्तवाल	ब्यावर	सहसंपादक– श्रमणोपासक
20	श्री सुनील जी बम्ब	टोंक	संयोजक–साधुमार्गी पब्लिकेशन
21.	श्री शौकीन जी मुणोत	नीमच	संयोजक–विहार सेवा संयोजन मंडल
22	श्री मनोज जी डागा	हावड़ा	संघ आबद्धता एवं निर्वाचन समिति
23.	श्री सुशील जी गोरेचा	रतलाम	श्री गणेश जैन ज्ञान भंडार, रतलाम
24	श्री निर्मल जी सिंघवी	इंदौर	संयोजक– समता प्रचार संघ
25	श्री महेश जी नाहटा	नगरी	श्रमणोपासक साहित्य सदस्यता
26	श्री गौतम जी पारख	राजनांदगांव	भ.महावीर समता चिकित्सालय
27	श्री किशोर जी कर्नावट	बेंगलुरु	महत्तम महोत्सव
28.	श्री अतुल जी पगारिया	जावरा	संयोजक–समता संस्कार शिविर
29.	श्री सुंदरलाल जी सिपानी	बेंगलुरु	आंतरिक लेखा परीक्षक
30.	श्री राजू जी बरड़िया	हिन्द मोटर	संयोजक–संघ सदस्यता अभियान
31.	श्री पूनमचन्द जी भूरा	भीलवाड़ा	संयोजक–दानपेटी
32.	श्री उत्तमचंद जी कोठारी	बेंगलुरु	संयोजक– इदं न मम
33.	श्री चन्द्रशेखर जी जैन	नागदा जं.	सं.धर्मपाल संस्कार एवं बौद्धिक वि.स.

34.	श्री शांतिलाल जी सांड	बेंगलुरु	संयोजक–समता भवन निर्माण समिति
35.	श्री विमल जी सिपानी	बेंगलुरु	संयोजक– स्थायी सम्पति संवर्द्धन

कार्यसमिति सदस्य

मेवाड़ अंचल

क्र.	नाम	शहर	क्र.	नाम	शहर
1.	श्री सुनील जी मेहता	उदयपुर	2.	श्री सुनील जी चण्डालिया	कपासन
3.	श्री प्रकाश जी जारोली	बम्बोरा	4.	श्री संजय जी नलवाया	प्रतापगढ़
5.	श्री प्रकाश जी मेहता	बड़ीसादड़ी	6.	श्री अरूण जी भानावत	कानोड़
7.	श्री संजय जी वया	उदयपुर			

बीकानेर मारवाड़ अंचल

1.	श्री सुनीलकुमार जी जैन	गोलूवाला	2.	श्री विमलचन्द जी बरड़िया	रावतसर
3.	श्री महेन्द्र जी सोनावत	गंगाशहर	4.	श्री नवीन जी कांकरिया	नोखा

जयपुर ब्यावर अंचल

1.	श्री निहालचन्द जी कोठारी	ब्यावर	2.	श्री धर्मीचन्द जी रांका	विजयनगर
3.	श्री निर्मल जी गुलेच्छा	ब्यावर	4.	श्री जितेन्द्र जी गांग	मसूदा
5.	श्री विनयचन्द जी चोपड़ा	जयपुर	6.	श्री धर्मीचन्द जी ओस्तवाल	ब्यावर

मध्यप्रदेश अंचल

1.	श्री मनोज जी पिपाड़ा	बिरमावल	2.	श्री अभय जी चोपड़ा	रतलाम

छत्तीसगढ़-ओडीशा अंचल

1.	श्री नथमल जी गिडिया	राजनांदगांव	2.	श्री प्रमोद जी चोपड़ा	संबलपुर
3.	श्री सुरेश जी चोरड़िया	बालाघाट			

मुंबई-गुजरात अंचल

1.	श्री दिनेश जी जैन	वडोदारा	2.	श्री पुष्पेन्द्र जी लुणिया	पुणे

महाराष्ट्र-विदर्भ अंचल

1.	श्री ज्ञानचंद जी बोगावत	पांढरकवड़ा	2	श्री अनिल जी सुराणा	अहमदनगर
3.	श्री ललित जी चोरड़िया	राहुरी फैक्ट्री	4.	श्री नागेश जी आसानी	नागपुर

पूर्वोत्तर अंचल

1.	श्री जीवराज जी पींचा	गुवाहाटी	2.	श्री झंवरलाल जी कुम्भट	सिलचर

दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरी अंचल

1.	श्री निर्मल जी मरोटी	लुधियाना	2.	श्री लालचन्द जी बाघमार	मेरठ

विशेष आमंत्रित सदस्य

क्र.	नाम	शहर	पद
1.	श्री पुखराज जी बोथरा	अहमदाबाद	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
2.	श्री चंपालाल जी डागा	गंगाशहर	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
3.	श्री जयचंदलाल जी डागा	बीकानेर	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
4	श्री यू.एस. ओस्तवाल	मुम्बई	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
5.	श्री राजकुमार जी नाहर	जयपुर	नियामक परिषद्–प्रमुख
6.	श्री नवरतन जी ओस्तवाल	ब्यावर	सदस्य– नियामक परिषद्
7.	श्री राजेन्द्र जी कोठारी	कोलकाता	सदस्य– नियामक परिषद्
8.	श्री यश जी डुगरपुरिया	मुम्बई	सदस्य– नियापक परिषद्
9.	श्री सम्पतलाल जी रांका	मुम्बई	पूर्व महामंत्री
10.	श्री सोमप्रकाश जी नाहटा	सूरत	सदस्य– स्थायी सम्पति संवर्द्धन
11.	श्री पंकज जी शाह	पिपलियाकला	शिखर सदस्य
12.	श्री विजयकुमार जी टंच	बदनावर	शिखर सदस्य
13.	श्री नवीन जी कोठारी	बीकानेर	सदस्य– जैन संस्कार पाठ्यक्रम
14.	श्री अशोक जी सुराणा	मुम्बई	दानपेटी– सहसंयोजक
15.	श्री बाबूलाल जी कांकरिया	नोखा	दानपेटी अं. संयो.–बीकानेर–मार.
16.	श्री संतोष जी खटोर	रायपुर	दानपेटी अं. संयो.–छत्तीसगढ़–ओ.
17.	श्री निर्मल जी चपलोत	नागदा	सदस्य–धर्म. सं.एवं बौद्धिक वि.स.
18.	श्री राजू जी सांखला	खरियार रोड़	इदं न मम अं. संयो.– छत्तीसगढ़–ओ.
19.	श्री फूसराज जी भूरा	देशनोक	विशेष आमंत्रित सदस्य
20.	श्रीमती आभा जी डूंगरवाल	इन्दौर	विशेष आमंत्रित सदस्य
21.	श्री के.एल. बोथरा	गंगाशहर	विशेष आमंत्रित सदस्य
22.	श्री तोलाराम जी बोथरा	गंगाशहर	विशेष आमंत्रित सदस्य
23.	श्रीमती रंजना जी सूर्या	इन्दौर	विशेष आमंत्रित सदस्य
24.	श्री मोहनलाल जी पारख	नोखा	विशेष आमंत्रित सदस्य
25.	श्री अजित जी कांठेड़	जावद	विशेष आमंत्रित सदस्य
26.	श्री वीरेन्द्र जी पुगलिया	भिलाई	विशेष आमंत्रित सदस्य
27.	श्री नरेन्द्रपाल जी पदावत	ब्यावर	विशेष आमंत्रित सदस्य
28.	श्री सुरेश जी बोरदिया	मुम्बई	विशेष आमंत्रित सदस्य
29.	श्री विमलकुमार जी सेठिया	भीनासर	विशेष आमंत्रित सदस्य

30.	श्री प्रकाश जी पटवा	भीनासर	विशेष आमंत्रित सदस्य
31.	श्री विनोद जी भूरा	देशनोक	विशेष आमंत्रित सदस्य
32.	श्री प्रवीण जी कटारिया	रतलाम	विशेष आमंत्रित सदस्य
33.	श्री निर्मल जी भूरा	बीकानेर	विशेष आमंत्रित सदस्य
34.	श्री सुशील जी बच्छावत	बीकानेर	विशेष आमंत्रित सदस्य
35.	श्री संजय जी सांड	बेंगलुरु	विशेष आमंत्रित सदस्य
36.	श्री धर्मीचंद जी रांका	बिजयनगर	विशेष आमंत्रित सदस्य
37.	श्री जितेन्द्र कुमार जी	मसूदा	विशेष आमंत्रित सदस्य
38.	श्री झंवरलाल जी कुम्मट	सिलचर	विशेष आमंत्रित सदस्य
39.	श्री मदनलाल जी लुणिया	नोखा	विशेष आमंत्रित सदस्य
40.	श्रीअनिलविद्यासागरजी सुराणा	अहमदाबाद	विशेष आमंत्रित सदस्य
41.	श्री कुलदीप जी नंदावत	बेंगलुरु	विशेष आमंत्रित सदस्य
42.	श्री पारस जी संचेती	सिलीगुड़ी	विशेष आमंत्रित सदस्य
43.	श्री सुरेन्द्र जी सिपानी	दिल्ली	विशेष आमंत्रित सदस्य
44.	श्री सुरेन्द्र जी सिपानी	बेंगलुरु	विशेष आमंत्रित सदस्य
45.	श्री पवन जी भूरा	बेंगलुरु	विशेष आमंत्रित सदस्य

संघ सदस्यता

परिशिष्ट -2

शिखर सदस्य (पूर्ण)

1.	श्रीमती कमलाबाई चौरड़िया	बालाघाट

महाप्रभावक सदस्य (पूर्ण)

1.	श्रीमती गुलाबदेवी भंसाली	कोलकाता
2.	श्री झंवरलाल जी कुम्मट	सिलचर
3.	श्री अनिल जी गोलछा	सिलचर

महाप्रभावक सदस्य (घोषित)

1.	श्री निर्मल जी बोथरा	गुवाहाटी
2.	श्री अजय जी सांखला	गुवाहाटी

संघ आजीवन सदस्य

1.	श्री ऋषभ जी देसरड़ा	भीलवाड़ा
2.	श्री प्रदीप कुमार जी बुच्चा	देशनोक
3.	श्री पंकज जी जैन	भटिंडा

संघ प्रभावक सदस्य

1.	श्री प्रवीण कुमार जी जैन	सूरत
2.	श्री मदांक्ष कुमार जी गुलगुलिया	सिलचर

विहार सेवा संयोजन सदस्य

1.	श्री सुरेशकुमार जी मेहता	बेंगलूरु
2.	श्रीमती नगीनादेवी अनोखीलाल जी कटारिया,	रतलाम
3.	श्री चांदमल जी छल्लानी	बनमनखी
4.	श्री रतनलाल जी संजय जी पारख	गुवाहाटी

परिशिष्ट -3

प्रवास घोषणाएँ

पूर्वोत्तर अंचल का 7 दिवसीय प्रवास- 06 व 12 सितंबर 2025

क्र.	प्रवृत्ति का नाम	सहयोगी सदस्य	राशि सौजन्य से प्राप्त
1.	संघ महाप्रभावक	2 सदस्य	22,00,000 रुपये
2.	इदं न मम	35 सदस्य	1,92,101 रुपये
3.	संघ प्रभावक	5 सदस्य	5,00,000 रुपये
4.	विहार सेवा संयोजन	7 सदस्य	7,00,000 रुपये
5.	संघ सहयोग		6,63,000 रुपये

अन्य विशेष:-

1. श्री पूनमचंद जी छाजेड़, कोकड़ाझाड ने साहित्य आजीवन सदस्यता ग्रहण की।

2. श्री घेवरचंद जी केशरीचंद जी गोलछा, गुवाहाटी ने संघ सहयोग में 5 लाख, मूलचंद जी कन्हैयालाल जी बैद, गुवाहाटी ने 51 हजार, हावली संघ ने 11 हजार व धुबड़ी, गौरीपुर, गोलकगंज 71 हजार रूपये के सहयोग राशि प्रदान की।

3. पथारकांदी, डिब्रुगढ़, सिलापथार, हवली, कोकड़ाझाड़, बिलासीपाडा, धुबड़ी, गोलकगंज आदि संघों को केन्द्रीय संघ से आबद्ध किया गया।

प्रवास के दौरान संघ प्रभावक सौजन्य से घोषित राशि

क्र.	नाम	शहर	राशि
1.	श्री मद्राक्ष जी गुलगुलिया	सिलचर	1,00,000/-
2.	श्री जीवराज जी विकाश जी पिंचा	गुवाहाटी	1,00,000/-
3.	श्री कन्हैया लाल जी नवरतन जी बैद	गुवाहाटी	1,00,000/-
4.	श्री महेंद्र जी पींचा	गुवाहाटी	1,00,000/-
5.	श्री जयचंद जी बोथरा	गुवाहाटी	1,00,000/-

प्रवास के दौरान विहार सेवा संयोजन में सौजन्य से घोषित राशि

क्र.	नाम	शहर	राशि
1.	श्री जेठमल जी बैद	सिलचर	1,00,000/–
2.	श्री कन्हैयालाल जी नवरतन जी बैद	गुवाहाटी	1,00,000/–
3.	श्री मदनलाल जी ओमप्रकाश जी भूरा	गुवाहाटी	1,00,000/–
4.	श्री ताराचंद जी सुशीला देवी बोथरा	गुवाहाटी	1,00,000/–
5.	श्री रतनलाल जी संजय जी पारख	गुवाहाटी	1,00,000/–
6.	श्री जुगराज जी रितेश जी बोथरा	गुवाहाटी	1,00,000/–
7.	श्री घेवरचंद जी धनराज जी गोलछा	गुवाहाटी	1,00,000/–

प्रवास के दौरान इदं न मम में सौजन्य से घोषित राशि

क्र.	नाम	शहर	राशि
1.	श्री घनीनेंद्र सुराणा	हाउली	21,000
2.	श्री पूनम चंद जी बोथरा	गोलकगंज	11,000
3.	श्री हनुमान जी बोथरा	गोलकगंज	11,000
4.	श्री नवरत जी बैद	गुवाहाटी	11,000
5.	श्री राजेश जी पटवा	गुवाहाटी	11,000
6.	श्री अभिषेक जी तातेड़	करीमगंज	11,000
7.	श्री आकाश जी भूरा	करीमगंज	11,000
8.	श्री पंकज जी पारख	करीमगंज	11,000
9.	श्री विकाश जी भूरा	करीमगंज	11,000
10.	श्री सौरव जी सांड़	करीमगंज	11,000
11.	श्री हनुमान जी सोनावत	सिलचर	7,000
12.	श्री प्रवीण कुमार सोनावत	सिलचर	7,000
13.	श्री मनोज जी सोनावत	सिलचर	7,000
14.	श्री आकाश जी बच्छावत	करीमगंज	5,001
15.	श्री रूपचंद जी संचेती	सिलापाथर	3,100

16.	श्री दिलीप कुमार जी छाजेड़	गुवाहाटी	3,100
17.	श्री इंद्रचंद जी बोथरा	पत्थर मंडी	2,100
18.	श्री धर्मचंद जी रांका	लाला बाजार	2,100
19.	श्री चेतन जी बैद	सिलचर	2,100
20.	श्री राकेश जी हीरावत	सिलचर	2,100
21.	श्री शिव कुमार जी डोसी	डिब्रूगढ़	2,100
22.	श्री देवेन्द्र कुमार जी जैन	डिब्रूगढ़	2,100
23.	श्री मेघराज जी आंचलिया	डिब्रूगढ़	2,100
24.	श्री तरूण जी मालू	डिब्रूगढ़	2,100
25.	श्री विकास जी कोठारी	गुवाहाटी	2,100
26.	संगीता जी कोठारी	गुवाहाटी	2,100
27.	धन लक्ष्मी जी कोठारी	गुवाहाटी	2,100
28.	श्री रोहित जी कोठारी	गुवाहाटी	2,100
29.	श्री सुरेंद्र कुमार जी भूरा	हाउली	21,00
30.	श्री प्रकाश जी भूरा	हाउली	21,00
31.	श्री सिद्धार्थ जी बोथरा	गुवाहाटी	2,100
32.	श्वेता बोथरा	गुवाहाटी	2,100
33.	श्री हनुमान जी कांकरिया	गुवाहाटी	2,100
34.	श्री प्रकाश जी भूरा	उदारबंद	2,100
35.	श्री विनोद कुमार जी भूरा	उदारबंद	2,100

परिशिष्ट -4

जय गुरु नाना　　　　जय महावीर　　　　जय गुरु राम

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

(राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण 1958 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)

Balance Sheet as at March 31, 2025

	Schedule	As at March 31, 2025		As at March 31, 2024	
Sources of Funds					
Capital Fund	1		65,74,36,657		64,04,73,027
Other Funds	2		12,97,95,790		12,97,87,997
			78,72,32,447		77,02,61,024
Application of Funds					
Fixed Assets	3		18,71,39,316		21,35,52,267
Investments	4		59,67,00,575		53,40,90,961
Current Assets, Loans and Advances					
Stock of Literature & Others	5	1,43,28,253		1,32,42,110	
Sundry Debtors		22,17,853		27,70,152	
Cash & Bank Balances	6	1,57,16,379		1,23,06,195	
Loans & Advances	7	43,83,971		49,37,678	
		3,66,46,456		3,32,56,135	
Less: Current Liabilities & Provisions	8	1,32,53,900	2,33,92,556	1,06,38,339	2,26,17,796
			78,72,32,447		77,02,61,024
			-		-

निम्न लिखित निवेदन सभी स्थानीय संघों के पदाधिकारीयों से अवश्य करावें।

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी समस्त अंचलों के स्थानीय संघों में (जहाँ भी पदाधिकारियों के मनोनयन को दो वर्ष पूर्ण हो गए हों) नव–मनोनयन का कार्य 15 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के मध्य सम्पादित हो गया होगा। कृपया इसकी सूचना केंद्रीय कार्यालय को नव–मनोनीत पदाधिकारियों के नाम व मोबाइल नं. सहित यथाशीघ्र ही प्रेषित करें।

जिन संघों में दो वर्ष व्यतीत हो जाने के बाद भी अभी तक नव–मनोनयन की प्रक्रिया क्रियान्वित नहीं हुई है, उन संघों से अनुरोध है कि आपको प्रेषित नियमावली के अनुसार नव–मनोनयन का कार्य शीघ्र एवं अवश्य पूर्ण कर केन्द्रीय संघ को सूचित करें। अपनी नवीन कार्यसमिति के गठन में आप अपनी स्थानीय महिला समिति, युवा संघ, बहू मंडल के अध्यक्ष–मंत्रियों को कार्यसमिति सदस्य अवश्य बनाएँ।

जिन स्थानीय संघों ने केंद्रीय संघ से आबद्धत्ता ग्रहण नहीं की है, उनसे भी अनुरोध है कि मनोनयन की सभा में या अलग से आमसभा बुलाकर संघ आबद्धत्ता का प्रस्ताव पारित करवाकर केंद्रीय कार्यालय को शीघ्र भेजें। इस कार्य को अतिआवश्यक समझते हुए प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित करें। संघ आबद्धत्ता का आवेदन–पत्र (फॉर्म) संघ की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं या कार्यालय से मंगवा सकते हैं।

निवेदक – संघ आबद्धत्ता एवं मनोनयन समिति

जय गुरु नाना   जय महावीर   जय गुरु राम

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

(राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण 1958 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)

Income & Expenditure Account for the year ended at March 31, 2025

Amount in Rupees

		For the year ended on	
Income	Schedule	31-Mar-2025	31-Mar-2024
Rental Income	9	42,26,064	47,00,489
Donation & Other receipts		7,78,62,954	4,51,43,761
Interest Received		4,05,85,384	4,09,55,831
Collection through Donation Boxes		46,22,210	32,71,683
Profit on sale of Fixed Assets		36,69,640	-
		13,09,66,252	9,40,71,764
Expenditure			
Shramnopasak Account	10	1,08,41,068	1,37,33,666
Administrative Expenses	11	1,55,56,137	1,28,97,144
Relief to Under-priviledged		47,31,399	31,94,921
Educational & Enrichment Support Expenses		4,95,36,803	1,89,76,917
Dhyan Kendra & Chhatravas Expenses		48,14,898	48,91,587
Samta Sanskar Pathshala Expenses		1,56,75,846	1,43,94,952
Samta Sarita Seva Expenses		92,18,457	89,59,490
Sahitya Expenses		23,00,638	21,41,096
Repairs & Maintenance		13,41,779	13,50,729
Medical Aid & Others		21,53,962	21,49,544
Jeev Daya		8,79,049	12,81,889
Depreciation of Fixed Assets		35,88,708	-
Dharampal Prachar Prasar Expenses		15,19,935	40,36,189
Property Tax & Maintenance Expenses		5,47,899	8,12,771
		12,31,06,578	8,88,20,895
Surplus before appropriation		78,59,674	52,50,869
Less transferred to Various Activities in Capital Account		30,63,000	2,85,100
Balance transferred to General Fund		47,96,674	49,65,769

बैंक खाता विवरण

Shree Akhil Bharatvarshiya Sadhumargi Jain Sangh, Bikaner

HDFC Bank

Account No. : 50200024932213
IFSC Code : HDFC0000645
Branch : Rani Bazar, Bikaner

State Bank of India

Account No. : 31264126681
IFSC Code : SBIN0003401
Branch : G.S. ROAD, Bikaner
Mob. : 7073311108
E-mail : accounts@sadhumargi.com

SCAN & PAY

HDFC BANK

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ
संघ विकास हेतु आज ही जुड़ें
संघ में आपके सहयोग एवं सदस्यता की पूरी जानकारी प्राप्त करने व ऑनलाइन भुगतान करने हेतु QR Code स्कैन करें
Whatsapp Help Line Number
853-5858-853
For More Details Visit - www.sadhumargi.com
SADHUMARGI-APP
DOWNLOAD
GET IT ON
Google Play